हिन्दी English मराठी বাংলা ગુજરાતી ಕನ್ನಡ தமிழ் తెలుగు മലയാള More
Desktop Alerts Log In
NBT विचार संपादकीय ब्लॉग अपना ब्लॉग
नवभारत टाइम्स
विचार

Mahindra e2o-Driven by goodness, now start...
Ad: Mahindra Reva

लव, सेक्स और एमएमएस

नवभारत टाइम्स | Mar 21, 2010, 01.26 AM IST

Share Like SUBSCRIBE NEWSLETTER

GATE 2016 Score Predictor
Done with GATE 2016? Check Your Score Before Actual Result.
careers360.com/gate-score-predictor

HDFC™ Home Loan Online
EMI of just Rs 841* per lakh. Check Eligibility, Instant Approval
home-loans.hdfc.com/EMI_Calculator

Ads by Google

शुक्रवार को रिलीज हुई दिवाकर बनर्जी की फिल्म 'लव, सेक्स और धोखा' काफी हद तक आज के युवा के माइंडसेट को दिखाती है। मोबाइल कैमरों के बढ़ते इस्तेमाल से एमएमएस स्कैंडलों का जाल समाज के लगभग हर तबके के बीच पहुंच गया है। आसान तकनीक भी इसकी पहुंच बढ़ाने में काफी मददगार हो रही है। यह यूथ का कूल फंडा भर है या कोई खतरनाक जाल? पूरे मामले की पड़ताल कर रहे हैं **प्रशांत अस्थाना** :

छह साल पहले आया डीपीएस एमएमएस, फिर लाजपत नगर स्कैंडल, फिर नोएडा स्टूडेंट क्लिप.... यह लिस्ट इतनी ही नहीं है। इस तरह के बेहिसाब एमएमएस रोजाना बनाए जा रहे हैं और पब्लिक के बीच पहुंच रहे हैं। खास तौर पर युवाओं का झुकाव इस ओर तेजी से बढ़ता जा रहा है। लगातार बढ़ रही पॉर्न साइटों पर अश्लील तस्वीरों और एमएमएस क्लिप की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है।

मोबाइल कैमरे के गलत इस्तेमाल पर काफी बहस की जा चुकी है। सेक्स पर भी अक्सर बात होती ही रहती है। लेकिन युवाओं में बढ़ते इस नए ट्रेंड पर शायद ही ज्यादा लोगों का ध्यान गया हो। छह साल पहले जब डीपीएस की स्टूडेंट का सेक्स एमएमएस लोगों को बीच आया था, तो लोगों को काफी हैरानी हुई थी। लेकिन अब तो आए दिन ऐसे एमएमएस की भरमार है। तकनीक का असर कहें या रिश्तों का खुलापन, अब यह युवाओं के लिए पैशन बनता नजर आ रहा है। पॉर्न साइटों तक आसान पहुंच इसे और बढ़ावा दे रही है।

लोग किसी लड़की (खास तौर पर अपनी गर्लफ्रेंड) का अश्लील एमएमएस क्यों बनाते हैं? सवाल तब और बड़ा हो जाता है, जब यह पूछा जाए कि निहायत निजी इस्तेमाल के लिए बनाए गए ये एमएमएस पब्लिक के बीच कैसे पहुंच जाते हैं?

फैंटसी का ट्वेंटी टेन वर्जन

सेक्स का ताल्लुक हर शख्स से है और उससे जुड़ी फैंटसी भी हमारे जीवन का हिस्सा होती है। शायद यही बात ऐसी है जो जेनरेशंस बदलने के बाद भी नहीं बदली, हां इसका तरीका जरूर बदल गया है। आज से 20-30 साल पहले सेक्स फैंटसी होता था - अपने बेडरूम में मैनसाइज शीशे लगवाना। खुद को सेक्स करता देख लोग काफी एन्जॉय करते थे। बाथरूम, किचन और पब्लिक प्लेस में सेक्स करने के मौके ढूंढना भी फैंटसी का ही हिस्सा था। हो सकता है कि मोबाइल पर अपने सेक्स के विडियो क्लिप बनाना जेननेक्स्ट का हिट फंडा हो। 'मजा तो आता होगा भाई' यह कहना है मनीष (बदला हुआ नाम) का, जो डीयू के हंसराज कॉलेज से ग्रैजुएशन कर रहे हैं। मनीष कहते हैं कि

विचार से सुपरहिट

- 4 इशारे- वो सेक्स करना चाहती है
- स्टडी: सहमति के साथ सेक्स के बाद भी महिलाओं में आती है उदासी
- मेक्सिको की महिला से 43,200 बार हुआ रेप, पांच साल की उम्र से ही होता था यौन शोषण
- लड़की ने सोशल मीडिया पर शेयर की पीरियड वाले पायजामे की तस्वीर
- अब डिलीट किया हुआ पॉर्न कॉन्टेंट भी तलाश लेगी दिल्ली पुलिस

FROM AROUND THE WEB

विचार से और

- अमेरिका की शरण

मोबाइल कैमरे का इस्तेमाल तो फैशन बनता जा रहा है। लोग राह चलते अपने फ्रेंड्स, फैमिली और यहां तक कि अनजान लोगों की भी तस्वीरें खींचते रहते हैं। बात साफ है, बिंदास जेनरेशन को खुलापन चाहिए। हां, परेशानी की बात तब है, जब वे इसे पब्लिक के सामने ले आते हैं।

प्रॉफिट का मार्केट

इंटरनेट पर पॉर्न या अडल्ट साइटों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। 'गंदा है, पर धंधा है' की तर्ज पर इस मार्केट को भी खूब फैलाया जा रहा है। ऐसी ज्यादातर साइटों का रजिस्ट्रेशन भी भारत के बाहर का है, इसलिए इन पर लगाम लगाना काफी मुश्किल है। इन साइटों पर कई युवा अपने सेक्स के एमएमएस क्लिप अपलोड करते रहते हैं। दूसरे लोग जब इन्हीं क्लिप को डाउनलोड करते हैं तो साइट सीधे पेमेंट के जरिए या विज्ञापनों के जरिए भारी कमाई करती हैं। साइबर एक्सपर्ट पवन दुग्गल कहते हैं कि तकनीकी रूप से इन साइटों को रोक पाना बहुत मुश्किल है।

अवेयरनेस लाकर ही युवाओं को इनसे दूर रखा जा सकता है। दुग्गल का मानना है कि इस तरह की साइट्स ई-कॉमर्स के लिए भी फायदेमंद हैं। और काफी बड़ी संख्या में लोग इंटरनेट पर पॉर्न मटीरियल को ही देखना, पढ़ना चाहते हैं। खास बात यह है कि अश्लीलता के मुद्दे पर भी समाज दो तबकों में बंट जाता है, एक में खुलेपन के हिमायती तो दूसरे में संस्कारों के साथी। कोई-न-कोई कॉमन व्यू तो जरूर बनना चाहिए। कम-से-कम खुलेपन की लिमिट तो तय की ही जा सकती है।

अपलोडिंग का मजा?

लोग इन विडियो को सिर्फ मस्ती के लिए अपलोड करते हैं, यह मानना काफी मुश्किल है। वे पैसे की खातिर ऐसा करते हैं, यह मान लेना भी गलत है। फिर क्यों लोग अपनी निहायत पर्सनल लाइफ को लोगों से शेयर करना चाहते हैं? इस माइंडसेट को समझना जरूरी है। अगर किसी लड़की का बॉयफ्रेंड या कोई दूसरा उसके अश्लील एमएमएस बना रहा है तो उसके दिमाग में क्या चल रहा है? हर मामले में ऐसा नहीं लगता कि क्लिप यह सोचकर ही बनाए गए हों कि उन्हें अपलोड करना है। गुड़गांव के कॉल सेंटर में काम करने वाले संदीप (बदला हुआ नाम) कहते हैं कि मैंने अपनी गर्लफ्रेंड का सेक्स एमएमएस बनाया हुआ है। क्लिप मेरे पास है और अगर उसने मुझे डंप करने की कोशिश की तो मैं इसे सबको दिखा दूंगा। आखिर बदला तो लेना ही होगा।

पहले नादानी, फिर बदनामी

ज्यादातर एमएमएस ऐसे होते हैं जिनमें गर्ल्स को पता होता है कि उनकी विडियो क्लिप बनाई जा रही है। अगर ऐसा है तो वह चुप क्यों रहती हैं? शायद उन्हें अहसास भी नहीं होता होगा कि उनका 'प्यार' ऐसा कर सकता है। प्यार का ब्लाइंड ट्रस्ट लड़कियों को अंधेरे की तरफ ले जाता है। अगर हम सेक्स के खुलेपन, कैमरे से फैंटसी की बहस में न पड़ें तो इतना जरूर कह सकते हैं कि थोड़ा अलर्ट तो रहा ही जा सकता है। खासकर तब, जब कि इस तरह के मामले आए दिन सामने आ रहे हों।

रिलेशन कितना भी मजबूत और पुराना हो, लेकिन गर्ल्स को यह ध्यान रखना चाहिए कि उन खास पलों के दौरान कैमरे का कोई रोल न हो। उन्हें को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अगर उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें या विडियो लोगों के बीच आ जाते हैं तो इससे उनके और उनके परिवार के लिए काफी मुश्किल हो सकती है। पिछले महीने ही केरल के कुन्नूर जिले में एक लड़की और उसके बॉयफ्रेंड को खुदकुशी के लिए मजबूर होना पड़ा था। असल में 17 साल की इस लड़की की एक अश्लील क्लिप को उसके एक क्लासमेट ने अपने दोस्तों के बीच बांट दिया था। बदनामी के डर से उस लड़की को अपनी जान देनी पड़ी।

डिलीशन से खतरा नहीं कम

अगर आप सिर्फ फन के लिए अपने अंतरंग पलों का विडियो बना रहे हैं तो संभल जाएं। आप भले ही मोबाइल या कैमरे से तस्वीरें-विडियो डिलीट कर दें, उन्हें दोबारा देखा जा सकता है। डेटा रिकवरी दिल्ली नाम की सर्विस एजेंसी डिलीटेड या लॉस्ट डेटा को वापस लाने का काम करती है। कंपनी के अधिकारी नीलेश ने बताया कि मेमरी कार्ड या हार्ड डिस्क से डिलीट की जा चुकी चीजों को रिट्रीव किया जा सकता है। बस डेटा ओवरराइट नहीं होना चाहिए। यानी अगर 1 जीबी का मेमरी कार्ड है और उसे फॉरमैट करके आपने 300 एमबी का डेटा डाल दिया है तो 700 एमबी का डिलीटेड डेटा भी रिट्रीव किया जा सकता है। यानी आप भले ही अपने पर्सनल डेटा को डिलीट कर दें, फोन, कैमरा या मेमरी चिप खो जाने पर कोई भी उसका गलत इस्तेमाल कर सकता है। नीलेश कहते हैं कि हमारे

- सफाई का तंत्र
- दाढ़ियों की वापसी
- राष्ट्रभक्ति का खोमचा
- रोमन अपनाओ, हिंदी बचाओ : चेतन भगत

विचार से और

- लोगबाग-संजय कुंदन
- नजरबट्टू...संतोषी
- लोगबाग
- थर्ड एडिट भाषा
- गैलरी

Goa Property Property in Goa

पास ऐसे भी कुछ केस आते हैं जिनमें लोगों को मेमरी कार्ड कहीं मिल जाता है और वे उसका डेटा देखना चाहते हैं।

सोच में सुधार जरूरी

आज के युवा को हर तरह की फ्रीडम चाहिए। वे अमेरिकन लहजे में बात करते हैं और 'ये मेरी लाइफ है' और 'आई नीड स्पेस' जैसे जुमले रटते रहते हैं। इस तरह एमएमएस बनाना और देखना फन का हिस्सा भर रह गया है। मनोवैज्ञानिक अरुणा ब्रूटा कहती हैं कि अब लोगों के लिए वासना ही सबसे ऊपर है। वे महंगी कारें चाहते हैं, 2-3 मोबाइल रखते हैं और डिजाइनर कपड़े पहनते हैं। यह सब वासना का हिस्सा है। युवा आजाद हैं और आराम से कहते हैं कि मैं किसी से भी सेक्सुअल रिलेशन बना सकता हूं। इस तरह के एमएमएस स्कैंडलों के पीछे माइंडसेट यही है। अमेरिका इस पूरे बदलाव से गुजर चुका है। इसी वजह से वहां परिवार टूट रहे हैं और डिप्रेशन में आकर लोग खुद को सेक्स में बिजी रखते हैं। लेकिन भारत के लिए यह नया है और अभी कुछ कोशिशें करके हम युवा पीढ़ी को इस गलत रास्ते से हटा सकते हैं।

सिर्फ लड़कियों को यह कह देने से कि अलर्ट रहें, कुछ नहीं होगा। लड़का, लड़की बराबर होते हैं और दोनों को ही इसे समझना चाहिए। एजुकेशन सिस्टम में बदलाव और परिवार की सोच को बदलकर भी इस तरह स्कैंडल रोके जा सकते हैं। जैसे टीनएजर्स के लिए वर्कशॉप हो सकती हैं जिनमें उनसे इन टॉपिक्स पर बात की जाए। घर में भी शुरू से ही बच्चों को समझाया जाए कि अपोजिट जेंडर की किस तरह रिस्पेक्ट करनी है।

क्या है कानून

साइबर एक्सपर्ट पवन दुग्गल कहते हैं कि अश्लील एमएमएस या तस्वीरें रखना, किसी को भेजना, किसी से लेना, इंटरनेट से डाउनलोड करना, अपलोड करना या फिर इन्हें देखना दंडनीय अपराध है। किसी ने खुद का एमएमएस बनाया हो या किसी और का, यह क्राइम की कैटिगरी में ही आएगा। भले ही किसी ने इसे अपने पर्सनल यूज के लिए रखा हो। आईटी एक्ट 2000 के अनुसार, इस तरह की अश्लील सामग्री रखने पर धारा 67 के तहत तीन साल तक की सजा और पांच लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। अश्लील सीडी-डीवीडी रखना, लैपटॉप या पीसी में पोर्न मटीरियल होना या मोबाइल और कैमरे में ऐसी तस्वीरें या विडियो होना भी इसी कैटिगरी के क्राइम में आता है।

डाउनलोड करें Hindi News ऐप और रहें हर खबर से अपडेट।

Share Like 8+

अपना कॉमेंट लिखें

इन्हें भी पढ़ें

- सर्च में 'दबंग' है पॉर्न
- बर्खास्त डीएसपी बनाता था अश्लील एमएमएस
- टीवी ऐक्ट्रेस के पति ने बनाया बीवी का एमएमएस
- निजी जिंदगी को पब्लिक के बीच लाना चाहते हैं युवा : बनर्जी
- एमटीवी रोडीज़ की प्रतियोगी का सेक्स विडियो
- क्या हमारा देश वाकई पॉर्न ऑब्सेसिव है?
- बर्खास्त DSP ने बेटों के साथ बनाए 40 लड़कियों के अश्लील MMS
- सोहा को मिली राहत
- कैट की बहन का हॉट विडियो
- रोडीज़ के एमएमएस में तमन्ना नहीं, नॉमन?

खबरें एक झलक में

भारत | खेल | दिल्ली
मूवी-मस्ती | NBT ब्लॉग | मुंबई
जोक्स | अपना ब्लॉग | लखनऊ
टेक | घर-परिवार | अन्य शहर
ऑटो | फोटो धमाल | दुनिया

हमेशा कनेक्टेड रहें
नवभारत टाइम्स की ऐप के साथ

iPhone Android J2ME Windows

हमारी दूसरी साइट्स

Times of India | Economic Times | iTimes | Marathi News | Bangla News | Kannada News | Gujarati News | Tamil News | Telugu News | Malayalam News | Business Insider | ZoomTv | Gizmodo | Lifehacker | BoxTV | Gaana | Shopping | IDiva | Astrology | Matrimonial

नवभारत टाइम्स ऑन फेसबुक

बिज़नस ET संडे NBT राशिफल
विचार NBT मोबाइल NBT ऐप

Like 3,749,413 people like this.

Hindi News | Funny jokes in Hindi | Kundali matching | Delhi news in Hindi | Rashifal | Pune News | Mumbai News | Funny Image | Bihar News | Lucknow News

About Us | Advertise with Us | Terms of Use and Grievance Redressal Policy | Privacy Policy | Feedback | Sitemap

Copyright © 2015 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service
This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768